

प्रधानमंत्री मोदी ने न तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिया और न ही अडानी-अंबानी सीधे मित्र उद्योगीतयों को लेकर कुछ कहा। प्रधानमंत्री ने इशारों में यथंग रख किए। बल्कि कहा जाए कि उन्हें तमाम वागवां आरोपों की प्रवाह ही नहीं की। उन्हें एक तरफ सरकार दिया और अन्यीं सरकार की प्रमुख उपलब्धियों का ही बचान किया। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार का ठीकाकार कांग्रेस पर ही फोड़ा और 2004-मई, 2014 तक यूपै-सरकार के कालखड़ को घाटालों का दशक कराया दिया। वही प्रधानमंत्री मोदी राहुल गांधी के सालिया आरोपों के जवाब देते, तो उससे वही बैठता रहता। नीतीजतन राहुल और कांग्रेस को राजनीति का एक चरांग कामयाब हो सकता था। उससे आरोपों का सिलसिला भी बन सकता था और वे चुनावी मुद्दों में तबदील हो सकते थे। उस सम्भावित दृष्टिकोण का जवाब देते रहना, जारी रखने की तौर पर, मुश्खल होता।

अब न केवल सीधीकै औपंग बिलाने, नियमों के तहत और सबूत पेश न करने के मनमजर, राहुल द्वारा चासा किए गए आरोपों को लोकसभा के रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया। बहुहाल राष्ट्रपति अधिकारीय पर सदन में धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर दिया, लेकिन विषय की राजनीति में अडानी-अंबानी को लेकर प्रधानमंत्री पर तो सबल थंडे जांच थे, वह अध्ययन भी समाप्त हो गया। विषय की राजनीति का एक अहम पटाक्षेप भी हो गया, क्योंकि इस मुद्दे पर विषय सर्वसम्मत नहीं हो पाया। सिर्फ राहुल गांधी और कांग्रेस 2024 के आम चुनाव तक अडानी अध्ययन को खोंचते रहेंगे। 2019 के आम चुनाव में फोफले लड़ाकू विमान सौदे के सर्वदा पर, राहुल गांधी जब न करने पर चारा किया था-क्योंकि दूसरे चुनाव चौहानी हो गयी। प्रधान और अध्यक्ष के तौर पर, राहुल गांधी न करना काम रहे।

संसद में इस बहस के बाद अब प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति के दो कालखड़ तय कर दिए हैं। 2004-14 के 10 साल यूपै एसरकार बनाम 2014-24 के 10 साल मोदी सरकार और इस प्रधानमंत्री ने 2014 के चुनाव की आधार-भूमि भी तैयार कर दी है। उन्हें पार्टी सांसदों, कांडा और मंत्रियों को स्टॉप निर्देश दिया है कि चुनाव प्रचार का फोकस सरकार के कामों और उपलब्धियों पर ही रहना चाहिए। उससे सत्ता-विरोधी लहर नहीं बनेगी। प्रधानमंत्री ने संसद में भी भरपूर विश्वास के साथ चाचा किया है कि देश के 140 कारोड़ लोगों के 25 करोड़ परिवार उनका सुरक्षा-कवच है। उन्हें कोई नहीं भेद सकता। जिन 81 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है, जिन 3 करोड़ से अधिक वक्तव्य के भरों की छाती पर भूमिका हुई है, जिन माहालों के परिवारों में 11 करोड़ से ज्यादा शौचालयों के रूप में इन्जिन घर बनाए गए हैं, जिन करोड़ घरों में नल से जल पहुंचना शुरू हो गया है, जिन गरीबों, पिछड़ों, अदिवासियों के गांवों में विजयी रोशनी हुई है, वे मोदी पर भरोसा करेंगे या कांग्रेस पर हूँ? इसी से स्पष्ट है कि मोदी और भाजपा का चुनावी जवाब क्या है?

कुछ तो है जिसकी पर्दा-दारी है!

रजनीति कपूर

हिंडनबर्ग ने ऐसा ही खुलासा 16 अन्य कंपनियों का भी किया है। वे कंपनियाँ अमरीका, चीन व जापान जैसे देशों की कंपनियाँ हैं। विषयी नेताओं का ये सबल है कि अब अडानी समूह पर आई इस रिपोर्ट के बात सरकार भारतीय अर्थव्यवस्था पर हमला मानती है तो फिर वे इस मामले पर चुप्पी क्यों साधे बैठे हैं? एजेंसियों द्वारा इस मामले की जांच क्यों नहीं की जा रही? देश के नामी उद्योगपति गौमत अडानी और उनकी कंपनियों को लेकर शेर भारतीय मार्केट, संसद और टीवी चैनलों में मची अपनाएँ तफरी। अडानी की कंपनियों को लेकर गालिके के इस मशहूर शेर की पांक की बाद दिलाई। अडानी की कंपनियों को लेकर ज्यादा खड़े हुए विवाद पर जिस तरह सरकार की बैंकों ने उनकी निवेशक अब भारतीय उद्योगपतियों को शक की जगत की निजर से देखेंगे। जिस तरह अडानी समूह के शक की जगत की निजर से देखेंगे।

जब संचारिक स्थित हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने अडानी समूह पर आई इस रिपोर्ट के लिए वक्तव्य के भरोसा को लेकर ज्यादा खड़े हुए हैं। एजेंसियों ने उनकी निवेशकों के मन में भी भ्रम की रस्ती पैदा की है। अब एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

गैर-तरब वक्तव्य की तौर पर किया जाए तो एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही? जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही? जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही? जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही? जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही? जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही? जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही? जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही? जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

जबकि एक अंदरूनी खुलासा हो जाएगा कि क्यों अपनी कंपनियों की जांच क्यों नहीं की जा र



श्रीनगर, एजेंसी

विश्व प्रसिद्ध स्की रिसार्ट गुलमर्ग में खेले गईं शीतकालीन खेल 2023 को शुक्रवार को शुरूआत हो गई है। केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर व जम्मू-कश्मीर केन्द्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल मोजे सिंहा ने इसका उद्घाटन किया। खेलों इंडिया शीतकालीन खेल 14 फरवरी तक चलेंगे। इसे देश के 29 राज्यों के 1500 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इस अवसर पर अनुराग ठाकुर ने खिलाड़ियों व दर्शकों को हासला बढ़ाते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों को तो लाभ होगा ही पर्यटकों की संख्या भी बढ़ेगी।

उहाँने कहा कि भारी बर्फबारी के बाद भी खेलों के प्रति लोगों का उत्सुक हो देखकर पता चलता है कि फिर इंडिया अधिकार को प्रशासन ने गांव-गांव तक पहुंचा है। उहाँने कहा कि लोगों का उत्सुक बता रहा है कि वे शीतकालीन खेल के लिए किसे उत्सुक हैं। दो वर्षों के बाद फिर से गुलमर्ग में इसका आगाज हो गया है। उधर देश भर से आए खिलाड़ी भी पूरे जोश के साथ प्रदर्शन को तैयार हैं। युवा बढ़-चढ़कर खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। युश्छी है कि कश्मीर में पर्यटन लगातार बढ़ रहा है। उहाँने कहा कि सरकार यहां पर और सुविधाएं बढ़ाएगी जिससे दूरियां के साथ रोजगार भी बढ़ेगी।

गुलमर्ग में खेलों इंडिया शीतकालीन खेल का



अनुराग ठाकुर ने किया उद्घाटन

उहाँने कहा कि दूसरी ओर बर्फबारी के मौसम में लोग रात में स्कीइंग और लेजर शो का आनंद ले रहे हैं। इससे पता चलता है कि जम्मू-कश्मीर बदल चुका है। इधर धनवानी विकास पैकेज के तहत जम्मू-कश्मीर प्रशासन शानदार काम कर रहा है। इस योजना के तहत खेल की सुविधाएं प्रोत्तर योजना और इंडोर स्टेडियम बनाने का काम अच्छे तरीके से किया गया है। उहाँने कहा कि खेलों इंडिया एक ऐसा अभियान है, जिसमें युवा खेल, विश्वविद्यालय खेल शीतकालीन खेल आयोजित होते हैं। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मोजे सिंहा ने कहा कि खेलों इंडिया एक सरकारी उद्घाटन किया था और खुद भी बर्फ के बीच क्रिकेट खेलने का मजा लिया।

प्रशासन खिलाड़ियों व पर्यटकों की हार सुविधा व सुक्षम का पूरा ध्वन रख रहा है। जम्मू-कश्मीर अब विकास के साथ-साथ शांति व समृद्धि की ओर बढ़ चला है। उल्लेखनीय है कि देश भर से आये हुए खिलाड़ी स्कीइंग, एल्पाइन स्कीइंग, स्नो रबी, आइस स्ट्राक्स, स्पोर्ट, स्नो बैरसाल, पर्वतरोहण, स्नो शूरिंग, आइस हॉकी, फिर गोल्फ और स्पॉर्ट स्कीइंग में अपना दम खम दिखाये गए। इससे गुरुवार को अनुराग ठाकुर ने टांगमार्ग में स्नो क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन किया था और खुद भी बर्फ के बीच क्रिकेट खेलने का मजा लिया।



सांकेत खबरें

प्रासादिका, प्रतिस्पर्धा और मैचों का स्टर्ट बनाये रखने की ज़रूरत : पोलांक

सेंचुरियन। दक्षिण अफ्रीका का मानव तेज गेंदबाज शैक्षन पोलांक का मानवान है कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में प्रासादिका और प्रतिस्पर्धा खेलने रखने की ज़रूरत है ताकि इन्होंने ज़्यादा मैचों के खेल खेल की कठिनता बढ़ी रहे। केन विलियमसन, प्रीम दिस्यु और स्टीव वॉन भी अतीत में मैचों की शेड्यूलिंग में संतुलन की मांग कर चुके हैं। पोलांक ने यहां बात शीतकालीन खेल की तैयारी के लिए एक अपना काम बनाया और स्वीकृति के लिए एक अपना योग्य खेल बनाया है। यह मैच की प्रासादिका, स्टर्ट और प्रतिस्पर्धा सबसे अहम है। उहाँने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटरिन टूर्नामेंट है क्योंकि साल में एक ही बार होता है।

विम्बलडन भी। यहां आप लगातार क्रिकेट खेलते ही ज़ा रहे हैं। उठना किया गया और बैंडिंग संगीत हो गया है, मुझे भी नीहां रह गया है। उन्होंने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटरिन टूर्नामेंट है क्योंकि साल में एक ही बार होता है।

विम्बलडन भी। यहां आप लगातार क्रिकेट खेलते ही ज़ा रहे हैं। उठना किया गया और बैंडिंग संगीत हो गया है, मुझे भी नीहां रह गया है। उन्होंने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटरिन टूर्नामेंट है क्योंकि साल में एक ही बार होता है।

विम्बलडन भी। यहां आप लगातार क्रिकेट खेलते ही ज़ा रहे हैं। उठना किया गया और बैंडिंग संगीत हो गया है, मुझे भी नीहां रह गया है। उन्होंने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटरिन टूर्नामेंट है क्योंकि साल में एक ही बार होता है।

विम्बलडन भी। यहां आप लगातार क्रिकेट खेलते ही ज़ा रहे हैं। उठना किया गया और बैंडिंग संगीत हो गया है, मुझे भी नीहां रह गया है। उन्होंने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटरिन टूर्नामेंट है क्योंकि साल में एक ही बार होता है।

विम्बलडन भी। यहां आप लगातार क्रिकेट खेलते ही ज़ा रहे हैं। उठना किया गया और बैंडिंग संगीत हो गया है, मुझे भी नीहां रह गया है। उन्होंने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटरिन टूर्नामेंट है क्योंकि साल में एक ही बार होता है।

विम्बलडन भी। यहां आप लगातार क्रिकेट खेलते ही ज़ा रहे हैं। उठना किया गया और बैंडिंग संगीत हो गया है, मुझे भी नीहां रह गया है। उन्होंने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटरिन टूर्नामेंट है क्योंकि साल में एक ही बार होता है।

विम्बलडन भी। यहां आप लगातार क्रिकेट खेलते ही ज़ा रहे हैं। उठना किया गया और बैंडिंग संगीत हो गया है, मुझे भी नीहां रह गया है। उन्होंने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटरिन टूर्नामेंट है क्योंकि साल में एक ही बार होता है।

विम्बलडन भी। यहां आप लगातार क्रिकेट खेलते ही ज़ा रहे हैं। उठना किया गया और बैंडिंग संगीत हो गया है, मुझे भी नीहां रह गया है। उन्होंने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटरिन टूर्नामेंट है क्योंकि साल में एक ही बार होता है।

विम्बलडन भी। यहां आप लगातार क्रिकेट खेलते ही ज़ा रहे हैं। उठना किया गया और बैंडिंग संगीत हो गया है, मुझे भी नीहां रह गया है। उन्होंने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटरिन टूर्नामेंट है क्योंकि साल में एक ही बार होता है।

विम्बलडन भी। यहां आप लगातार क्रिकेट खेलते ही ज़ा रहे हैं। उठना किया गया और बैंडिंग संगीत हो गया है, मुझे भी नीहां रह गया है। उन्होंने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटरिन टूर्नामेंट है क्योंकि साल में एक ही बार होता है।

विम्बलडन भी। यहां आप लगातार क्रिकेट खेलते ही ज़ा रहे हैं। उठना किया गया और बैंडिंग संगीत हो गया है, मुझे भी नीहां रह गया है। उन्होंने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटरिन टूर्नामेंट है क्योंकि साल में एक ही बार होता है।

विम्बलडन भी। यहां आप लगातार क्रिकेट खेलते ही ज़ा रहे हैं। उठना किया गया और बैंडिंग संगीत हो गया है, मुझे भी नीहां रह गया है। उन्होंने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटरिन टूर्नामेंट है क्योंकि साल में एक ही बार होता है।

विम्बलडन भी। यहां आप लगातार क्रिकेट खेलते ही ज़ा रहे हैं। उठना किया गया और बैंडिंग संगीत हो गया है, मुझे भी नीहां रह गया है। उन्होंने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटरिन टूर्नामेंट है क्योंकि साल में एक ही बार होता है।

विम्बलडन भी। यहां आप लगातार क्रिकेट खेलते ही ज़ा रहे हैं। उठना किया गया और बैंडिंग संगीत हो गया है, मुझे भी नीहां रह गया है। उन्होंने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटरिन टूर्नामेंट है क्योंकि साल में एक ही बार होता है।

विम्बलडन भी। यहां आप लगातार क्रिकेट खेलते ही ज़ा रहे हैं। उठना किया गया और बैंडिंग संगीत हो गया है, मुझे भी नीहां रह गया है। उन्होंने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटरिन टूर्नामेंट है क्योंकि साल में एक ही बार होता है।

विम्बलडन भी। यहां आप लगातार क्रिकेट खेलते ही ज़ा रहे हैं। उठना किया गया और बैंडिंग संगीत हो गया है, मुझे भी नीहां रह गया है। उन्होंने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटरिन टूर्नामेंट है क्योंकि साल में एक ही बार होता है।

विम्बलडन भी। यहां आप लगातार क्रिकेट खेलते ही ज़ा रहे हैं। उठना किया गया और बैंडिंग संगीत हो गया है, मुझे भी नीहां रह गया है। उन्होंने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटरिन टूर्नामेंट है क्योंकि साल में एक ही बार होता है।

विम्बलडन भी। यहां आप लगातार क्रिकेट खेलते ही ज़ा रहे हैं। उठना किया गया और बैंडिंग संगीत हो गया है, मुझे भी नीहां रह गया है। उन्होंने कहा, मिसास के तौर पर गोल्फ में मास्टर्स बैहेटर

